अभियानः बाहर से लौटे बिहार के लोगों को मतदाता बनाने की मुहिम चलाएगा चुनाव आयोग

चुनाव में प्रवासी वोटर देंगे दखल

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

चुनाव आयोग दूसरे राज्यों से बिहार लौटे प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल करेगा। इसके लिए उसके द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएगा।

कोरोना काल और लॉकडाउन के दौरान बिहार में अबतक अनुमानतः 25 लाख प्रवासी लौट चुके हैं। इनमें 15 लाख से अधिक क्वारंटाइन सेंटरों में रह चुके हैं। इनके अतिरिक्त बिहार में पैदल, बस और अन्य साधनों से भी लौटने का सिलसिला लंबे समय तक जारी था। इनमें मतदाता बनने की योग्यता रखने वाले 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी शामिल थे। इस लिहाज से देखें तो 20 लाख तक नए प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा सकते हैं।

इनमें पूर्व में बिहार व अन्य राज्यों की मतदाता सूची में शामिल लोगों के वोटर लिस्ट में शामिल होने और एक-दूसरे स्थान से नाम हटाने की संभावना भी शामिल है। इस तरह बिहार में मतदान की योग्यता वाले प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने से वोटरों की कुल संख्या में करीब दो फीसदी वृद्धि होगी।

20 लाख नए मतदाता हो सकते हैं शामिल : बिहार में वर्तमान में 7 करोड़ 18 लाख मतदाता हैं। अगर यह माना जाए कि बिहार लौटे प्रवासियों में कम से कम 20 लाख नए मतदाता भी शामिल होते हैं, तो यह संख्या बढ़कर 7 करोड़ 38 लाख हो सकती है।

पूरी हो जाएगी चुनावी तैयारी : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार एचआर श्रीनिवास के निर्देश पर बिहार में प्रवासियों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने को लेकर मंथन शुरू हो गया है। बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसको लेकर निर्वाचन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि कोरोना संकट की वजह से चुनावी तैयारी पर असर पड़ा है, लेकिन विभाग का दावा है कि अभी भी चार महीने का समय शेष है। लिहाजा चुनावी तैयारी पूरी हो जाएगी।

सुरक्षित चुनाव कराने को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार कोरोना संकट की वजह से चुनावी तैयारियों में आगे भी काफी चुनौतियां हैं, लेकिन हम आश्वस्त हैं कि समय रहते सारी तैयारी पूरी हो जाएगी। कोविड-19 को लेकर जो गाइडलाइन हैं उसके तहत काम करना होगा।

29 लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन : मुख्यमंत्री विशेष सहायता के लिए दूसरे राज्यों में रह रहे बिहार के 29 लाख लोगों ने आवेदन किया था। आवेदनों की जांच करने के बाद इनमें 20 लाख 71 हजार 462 लोगों के खाते में सहायता राशि के रूप में एक-एक हजार रुपये भेजे गए हैं।

संबंधित खबरें पेज 02

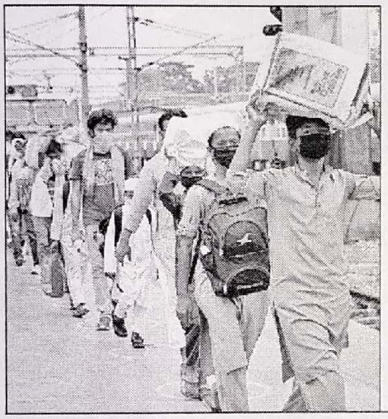

25 लाख से अधिक प्रवासी अब तक लौट चुके हैं बिहार

07 करोड़ 18 लाख मतदाता हैं अभी राज्य में

बड़ी चुनौती

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि हमारी तैयारी चलती रहती है। कुछ दिन पहले ही सभी डीएम को कई निर्देश दिए गए हैं। सूबे में करीब 73 हजार पोलिंग बूथ और करीब 7 करोड़ 18 लाख वोटर हैं। हर बूथ पर करीब एक हजार वोटर हैं। ऐसे में वोटिंग के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग कैसे मेंटेन होगी यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है।

> कोरोना संकट में लाखों मजदूर वापस बिहार आए हैं। चुनाव आयोग यह समीक्षा करेगा कि वे यहां के वोटर हैं या नहीं। जिनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं होगा, उनका जोड़ा जाएगा।
> -एचआर श्रीनिवास, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार

विस चुनाव में हार और जीत का औसत अंतर 30 हजार वोट

पटना। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव में जीत-हार का अंतर औसतन 30 हजार वोट का रहा। 20 से 40 हजार वोट के बीच अधिकतर सीटों में परिणाम सामने आया था। विधानसभा क्षेत्र कल्याणपुर में जीत का अंतर 37686 था, तो समस्तीपुर में 31080 था। मोरचा में 18816, मोहद्दीननगर में 23431, खगड़िया में 25565 था।

लॉकडाउन के दौरान तीन मई के बाद बिहार में अनुमानतः 25 लाख से अधिक लोग बिहार आए। इनमें 15 लाख तीन हजार लोगों को प्रखंड क्वारंटाइन सेंटरों में भेजा गया। अन्य लोग होम क्वारंटाइन में गए। प्रखंड क्वारंटाइन केंद्रों में गए लोगों के जिलावार आंकड़ों से पता चलता है कि दूसरे राज्यों से आने वालों में सबसे अधिक उत्तर बिहार के थे। वहीं, सर्वाधिक 94,876 लोग पूर्वी चंपारण के थे। कटिहार जिले में 86491 तो दरभंगा में 77244 लोग पहुंचे।

Scanned with CamScanner